ज्ञानदर्शन

त्रैमासिक समाचार बुलेटिन (जुलाई 2011–सितम्बर 2011)

ज्ञान महाविद्यालय, अलीगढ़ (उ. प्र.)

Website : www.gyanmahavidhyalaya, E-mail : gyanmv@gmail.com

श्रीमती आशा देवी
अध्यक्षा एवं संरक्षिका

श्री दीपक गोयल
सचिव

डॉ. आर.एस. शर्मा
प्राचार्य

आभा कृष्ण जौहरी
प्रधान सम्पादक

रामकिशन शर्मा
सह सम्पादक

पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण

दिनांक 30-7-2011 को शिक्षा संकाय में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर कॉलेज सचिव श्री दीपक गोयल व प्राचार्य डा. आर.एस. शर्मा ने महाविद्यालय के शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के साथ महाविद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर छात्र/छात्राओं ने भी वृक्षारोपण में सहायता की।

मेंहदी एवं राखी प्रतियोगिता

महाविद्यालय में रक्षाबन्धन के अवसर पर दिनांक 12-08-2011 को छात्र/छात्राओं की बहुमुखी प्रतिभा को पल्लवित करने के लिये मेंहदी एवं राखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्र व छात्राओं ने इन प्रतियोगिताओं में पूर्ण उत्साह एवं जोश के साथ भाग लिया। प्रतियोगिताओं के निर्णायक मण्डल में प्रो. आभाकृष्ण जौहरी (बी.एड.), प्रो. प्रीति पंकज गुप्ता (कला संकाय), शोभा सारस्वत (बी.टी.सी.) शामिल थे। प्रतियोगिता का संचालन डा. रेखा शर्मा ने किया। प्रतियोगिता को सम्पन्न कराने में संकाय के सभी प्राध्यापकगण का सहयोग व उपस्थिति रही।

Scanned by CamScanner

स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त 2011 को महाविद्यालय में 64वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। ध्वजारोहण कॉलेज प्राचार्य डा. आर.एस. शर्मा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकों ने देशप्रेम की भावना से विचारों की अभिव्यक्ति की व छात्र/छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य डा. आर.एस. शर्मा ने की। इस अवसर पर उप प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने भी बधाई दी। कार्यक्रम में शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी भी उपस्थित थे। अन्त में वन्देमातरम् गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। समारोह के पश्चात् सभी छात्र/छात्राओं एवं स्टाफ को मिष्ठान वितरित किया गया।

छात्र-प्रतिभा परिचय दिवस

बी.एड. विभाग में दिनांक 25-08-2011 को सत्र 2011-2012 के छात्र/छात्राओं द्वारा छात्र-परिचय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कालेज के सचिव श्री दीपक गोयल, कॉलेज अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी व अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। परिचय दिवस पर सभी छात्र/छात्राओं ने अपनी-अपनी प्रतिभा का परिचय विभिन्न शैली में दिया। इस अवसर पर विभाग की विभागाध्यक्षा श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी, प्रो. रामकिशन शर्मा, प्रो. लखमी चन्द्र, प्रो. रंजना, प्रो. गिर्राज किशोर, प्रो. मधु चाहर, प्रो. सरिता याजनिक, डा. रेखा शर्मा, प्रो. पूनम माहेश्वरी, प्रो. रजनी आदि ने विभिन्न तरीकों से अपना-अपना परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड. विभाग की छात्रा प्रिंसी व छात्र अवनीश ने किया।

शिक्षक दिवस

महाविद्यालय में सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णनन् के जन्म दिवस, 5 सितम्बर 2011 को शिक्षक दिवस के रूप मनाया गया। इस अवसर पर सभी संकाय के शिक्षकों को महाविद्यालय के ज्ञान सभागार में आमंत्रित किया गया। सभी शिक्षकों का स्वागत बी.एड. विभाग के छात्र-छात्राओं ने पुष्प देकर किया व शिक्षक दिवस के महत्व पर विस्तार से चर्चा की एवं अपने विचार प्रस्तुत किये। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा भी डॉ. राधाकृष्णनन् के शिक्षा दर्शन की व्याख्या करते हुये शिक्षा जगत के उनके विशिष्ट एवं महत्वपूर्ण योगदान की जानकारी दी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज प्राचार्य डॉ. आर.एस. शर्मा ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. जे.पी. सिंह एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, डी.एस. कालेज अलीगढ़ थे। उन्होंने अपने महत्वपूर्ण विचारों से ज्ञान सभागार में उपस्थित प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

'जिस तरह कृषि पौधों का विकास करती है, उसी तरह शिक्षा मनुष्य को विकसित करती है।'

Scanned by CamScanner

काव्य गोष्ठी

संस्थापक दिवस आयोजन की श्रृंखला में दिनांक 6-09-2011 को 'काव्य गोष्ठी' का आयोजन किया गया। प्रस्तुत गोष्ठी में छात्र/छात्राओं ने स्वरचित व अन्यरचित रचनाओं को प्रस्तुत किया व विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक विषयों पर अपने महत्वपूर्ण विचारों की अभिव्यक्ति की। प्रतियोगिता मे मुख्य अतिथि के रूप में टी.आर. कालेज की हिन्दी विभाग में रीडर डॉ. मिस्काक आबिदी ने बच्चों के कार्य की प्रशंसा की व स्वयं के विचारों को भी काव्य के माध्यम से अभिव्यक्त कर छात्र/छात्राओं का मार्गदर्शन किया। मुख्य अतिथि का स्वागत व कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्षा श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी ने किया। इस कार्यक्रम का सह-संचालन बी.एड. की छात्रायें भव्वना गुप्ता और प्रिंसी शर्मा ने किया। कालेज प्राचार्य डा. आर.एस. शर्मा ने मुख्य अतिथि डॉ. आबिदी को प्रतीक चिन्ह भेंट किया व धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर विभाग के सभी प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

लोकगीत एवं लोकनृत्य कार्यक्रम

"ज्ञान महोत्सव" के तीसरे दिन 7 सितम्बर 2011 को लोकगीत एवं लोकनृत्य का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं एवं बाहर से आए कलाकारों के द्वारा अद्भुत प्रस्तुति दी गयी। छात्र-छात्राओं ने भारतीय सांस्कृतिक परम्परा व विभिन्नता में एकता के विचारों को अभिभूत करते हुए विभिन्न प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दुर्गा सांस्कृतिक कला केन्द्र, अलीगढ़ की संचालिका व नृत्यांगना श्रीमती पूनम सारस्वत थीं। उन्होंने भी अपनी प्रस्तुति से छात्र- छात्राओं का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आर.एस. शर्मा ने की। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी अध्यापकगण उपस्थित रहे और कार्यक्रम का आनन्द लिया।

डाक टिकट प्रदर्शनी

"ज्ञान महोत्सव" की चतुर्थ दिन की श्रृंखला में दिनांक 8 सितम्बर 2011 को "डाक टिकट संग्रह" का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। डा. आर.सी. भाटिया जी ने डाक टिकटों की सहायता से आजादी की कहानी को बहुत ही सहजता के साथ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. आर.सी. भाटिया व विशिष्ट अतिथि डा. एन.एल. शर्मा रहे। उन्होंने विद्यार्थियों के भविष्य के लिये बहुमूल्य टिकट संग्रह के लिए प्रेरणा दी। छात्र-छात्राओं में लुप्त होती डाक टिकट संग्रह करने की प्रतिभा को निखारने व पल्लवित करने के लिए यह प्रदर्शनी प्रेरणा का स्रोत थी। डाक टिकट संग्रह प्रदर्शनी में डी.पी.एस. जूनियर विंग से आए नन्हे विद्यार्थियों ने भी टिकट संग्रह की प्रतिभा निखारने का मार्ग प्रशस्त किया।

जो विचार जीवन-निर्माण, मनुष्य निर्माण तथा चरित्र निर्माण में सहायक हों उन्हें ही शिक्षा की संज्ञा दी जा सकती है।

Scanned by CamScanner

हास्य व्यंग्य कार्यक्रम

दिनांक 09/09/2011 को स्थापना दिवस के कार्यक्रम के अवसर पर 'हास्य व्यंग्य कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन डा. रेखा शर्मा ने किया। सभी विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी का उत्साह देखने योग्य था। कुछ छात्रों ने चुटकुले, कुछ ने हास्य कविता और कुछ विद्यार्थियों ने हास्य नाटक प्रस्तुत किये। इस कार्यक्रम में सभी को अपनी-अपनी हास्य प्रतिभा को उजागर करने का बहुत अच्छा अवसर मिला। शिक्षकगण भी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने में पीछे नहीं रहे। प्रो. सरिता याजनिक (बी.एड.), प्रो. मधु चाहर (बी.एड.) एवं प्रो. आर.के. मिश्रा विभागाध्यक्ष (बी.बी.ए.) ने अपने लतीफों से सबका मनमोह लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. गजेन्द्र सिंह पूर्व औटा अध्यक्ष ने भी सबका खूब उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में सभी प्रवक्तागण उपस्थित थे। बी.एड. प्रवक्ता श्रीमती रंजना सिंह ने सह-संचालन का कार्यभार संभाला।

सखी मैं श्याम 'पॉलीथिन हटाओ पर्यावरण बचाओ'

सामाजिक जनचेतना के लिए 'पॉलीथिन हटाओ पर्यावरण बचाओ' स्लोगन के साथ ज्ञान महोत्सव के समापन के अवसर पर दिनांक 10-09-2011 को कृष्णांजलि नाट्यशाला में "सखी मैं श्याम" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अति. मुख्य सचिव महाराष्ट्र श्री चाँद गोयल ने दीप प्रज्जवलन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रबन्ध समिति की अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी, सचिव श्री दीपक गोयल, समाज सेवी मानव महाजन, एम.एल.सी. विवेक बंसल ने संयुक्त रूप से किया। विशिष्ट अतिथि उ.प्र. स्ववित्त पोषित महाविद्यालय एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री विनय त्रिवेदी थे। इस अवसर पर बी.एड. की छात्रा भावना गुप्ता द्वारा सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मुम्बई से आये कलाकारों द्वारा दी गयी प्रस्तुतियाँ रहीं। उन्होंने राधाकृष्ण एवं माता यशोदा की विभिन्न लीलाओं को बहुत ही सुन्दर ढंग से प्रस्तुत किया। सबसे अच्छी प्रस्तुति 'सखी मैं रंग गयी श्याम के रंग में' रही। एक प्रस्तुति पाश्चात्य सभ्यता से सम्बन्धित थी। कार्यक्रम के दौरान सम्मानीय अतिथिगणों को महाविद्यालय के विभिन्न प्राध्यापकों द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये। सचिव श्री दीपक गोयल द्वारा मुम्बई से आमंत्रित नृत्यमण्डली की कोरियोग्राफर भावना को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन रात्रिभोज के साथ हुआ। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेखा शर्मा ने किया।

हिन्दी दिवस

महाविद्यालय में 14 सितम्बर, 2011 को हिन्दी दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ उप-प्राचार्य डा. वाई.के. गुप्ता ने किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने हिन्दी भाषा से सम्बन्धित अपने विचार प्रस्तुत किये। बी.एड.छात्रा कु. भावना ने कविता के माध्यम से एवं पल्लव, राजवीर, अवनीश उपाध्याय, कवलजीत, कु. सपना अरोरा ने कहानी एवं हिन्दी साहित्य के विचारों के माध्यम से हिन्दी भाषा के महत्व को बताया। इस कार्यक्रम का संचालन बी.एड. प्रवक्ता प्रो. पूनम माहेश्वरी द्वारा किया गया। बी.एड. विभागाध्यक्षा श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी, श्री लखमी चन्द्र, श्रीराम किशन शर्मा, श्री पुष्पेन्द्र कुमार गौतम, डा. रेखा शर्मा, प्रो. सरिता याजनिक, श्रीमती रंजना सिंह, प्रो. मधु चाहर एवं अन्य प्रवक्ताओं ने भी अपने विचारों को व्यक्त किया।

"उदार चरित्र वालों के लिए तो सम्पूर्ण पृथ्वी ही परिवार है।"

Varshney Printing House # 9758286283

Scanned by CamScanner